P: ISSN NO.: 2394-0344 RNI No.UPBIL/2016/67980 VOL-5* ISSUE-6* September - 2020
E: ISSN NO.: 2455-0817 *Remarking An Analisation*

गोड्डा जिला के अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति में महिला साक्षरता : एक तुलनात्मक अध्ययन शोधपत्र का शीर्षक

Female Literacy in Scheduled Tribes and Scheduled Castes of Godda District: Title of a Comparative Study Paper

Paper Submission: 15/09/2020, Date ofAcceptance: 26/09/2020, Date of Publication: 27/09/2020

पूजा कुमारी
शोध छात्रा,
भूगोल विभाग,
टी. एम. भागलपुर,
यूनिवर्सिटी, बिहार, भारत

सारांश

शिक्षा व्यक्ति के कल्याण का माध्यम है। शिक्षित मनुष्य संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करता है। किसी समाज में साक्षरता तथा शिक्षा का स्तर आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक पक्षों के द्वारा प्रभावित होता है। जिससे अलग–अलग क्षेत्रों तथा एक ही क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक समूहों में साक्षरता के स्तर में अंतर होता है। संस्कृत की प्रसिद्ध उक्ति, 'नास्ति विद्यासमं चक्षुर्नास्ति माता समोगुरु' से महिला शिक्षा तथा साक्षरता के महत्व को समझा जा सकता है। एक शिक्षित महिला न केवल अपने उत्तरदायित्व का सम्यक निर्वहन करती है बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी शिक्षित तथा सभ्य बनाती है। परन्तु भारत जैसे परंपरागत (विकासशील) देश में लिंगपरक भेदभाव महिला साक्षरता के स्तर को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करता है। जिससे महिला शिक्षा आज भी भारतीय समाज की एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इस सन्दर्भ में यदि अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति की जनसंख्या में महिला साक्षरता की बात की जाती है तो स्थिति संतोषप्रद नहीं दिखती है। प्रस्तुत शोधपत्र में गोंड्डा जिला में अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति की महिला जनसंख्या में साक्षरता के स्तर की विवेचना की गई है। साथ ही अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति तथा सामान्य महिला जनसंख्या में साक्षरता के स्तर का तुलनात्मक अध्ययन कर इसे स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है।

Education is the medium for the welfare of the individual. Educated man makes judicious use of resources. The level of literacy and education in a society is influenced by economic, social, political, historical and cultural aspects. Due to which there are differences in literacy levels in different areas and different social groups of the same region. The importance of female education and literacy can be understood from the famous Sanskrit utterance, 'nasti vidyasam chakshurnasti mata samoguru'. An educated woman not only discharges her responsibilities properly but also makes the next generation educated and civilized. But in a traditional (developing) country like India, gender discrimination effectively controls the level of female literacy. Due to which female education remains a major challenge of Indian society even today. In this context, if there is talk of female literacy among the scheduled tribe and scheduled caste population, then the situation does not look satisfactory. In the paper presented, the level of literacy in the female population of Scheduled Tribes and Scheduled Castes has been discussed in Gonda district. At the same time, an attempt has been made to clarify the level of literacy among the Scheduled Tribes, Scheduled Castes and the general female population by making a comparative study.

मुख्य शब्द : साक्षरता, जनजाति, आधारभूत संरचना, विकासशील, विवेकपूर्ण उपयोग।

Literacy, Tribes, Infrastructure, Development, Discretionary Use.

प्रस्तावना

साक्षरता शिक्षा का सोपान है। साक्षरता तथा शिक्षा की स्थिति किसी समाज के विभिन्न आयामों यथा आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक पक्षों से निर्धारित होता है। यही कारण है कि विश्वस्तर पर इसके वितरण में असमानता दिखाई पड़ती है। विकसित देशों में साक्षरता शत प्रतिशत है जबकि विकासशील देशों में इसमें स्थानिक तथा लैंगिक अंतर दिखाई पड़ता है। वस्तुतः परंपरागत समाज में महिलाओं का शिक्षा तक पहुँच आज भी एक बड़ी बाधा है तथा यह महिलाओं के लिए किसी उपलब्धि से कम नहीं है। वास्तव में एक शिक्षित महिला न केवल अपने उत्तरदायित्व का सम्यक निर्वहन करती है बल्कि अपनी अगली पीढ़ी को भी शिक्षित तथा सभ्य बनाती है दूसरी ओर जनजातीय समाज में प्रारंभ से ही आधुनिक शिक्षा के प्रति झुकाव कम रहा है। 1931 के जनगणना आकड़ों के अनुसार भारत में केवल 0.70 प्रतिशत जनजातीय जनसंख्या ही साक्षर थी। अनुसूचित जनजाति के लोग जहाँ प्रकृति के सानिध्य में जंगलों तथा पहाड़ों पर एकांत जीवन व्यतीत करते है वही अनुसूचित जाति के सदस्य उर्वर मैदानी भाग में कृषक जातियों के साथ सहजीवन व्यतीत करती है। परन्तु इन दोनों सामाजिक समूहों में महिला साक्षरता का स्तर कम है। इनके कम साक्षरता के लिए कई कारक जिम्मेवार हैं। इन कारकों में इनकी आर्थिक स्थिति सबसे असरदार है। एन्विन (1963) के अनुसार, 'एक जनजातीय परिवार के लिए अपने बच्चों को विद्यालय भेजना आवश्यक रूप से आर्थिक स्थिति पर निर्भर करता है। इससे इनके जीवनयापन के संघर्ष तथा पारंपरिक श्रम विभाजन की योजना बाधित होती है।'[1] जनजातीय समाज में आधुनिक शिक्षा के प्रति कम झुकाव होने का एक प्रमुख कारण इनके सांस्कृतिक मूल्य हैं। इस पाठ्यक्रम में इन्हें कहीं भी अपने परिवेश, संस्कृति, मूल्यों से जुडाव महसूस नहीं होता है। शर्मा (1976) के अनुसार, 'शिक्षा की शहरी मध्यम वर्गीय प्रणाली पूरे भारत में एक ही ढांचे तथा विषयवस्तु के साथ विस्तृत कर दी गई है।'[2] जनजातीय शिक्षा के विकास में एक अन्य बड़ी बाधा आधारभूत संरचना से जुडी है। ऐसा पाया गया है कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित अधिकतर प्राथमिक विद्यालय संसाधन विहीन हैं। यहाँ छात्रों की संख्या के अनुपात में वर्गकक्ष, बैठने के लिए बेंच, साफ–सफाई, पेयजल तथा शौचालय का अभाव है। दूसरी ओर इन विद्यालयों में आवश्यक शिक्षको की संख्या से प्रायः कम शिक्षक कार्यरत हैं। इन परिस्थितियों में बच्चे वर्ष–दर–वर्ष अगली कक्षा में पहुँचते जाते है परन्तु इनके ज्ञान में कोई खास वृद्धि नहीं हो पाती है। एस. एन. रथ (1981) के शब्दों में, ''जीर्ण–शीर्ण भवन जिनमे अधिकतर छत भी नहीं होती तथा जो गाँवों से दूर स्थित किसी प्रहरी का आभास देते हैं, स्कूल कहे जाते हैं।'[3]

जनजातीय जनसंख्या में साक्षरता के प्रतिरूप तथा इसके असमानता को समझने के लिए भारत की जनगणना 2011 पर नजर डालते हैं। इसके अनुसार भारत में कुल साक्षरता दर 74.00 प्रतिशत है, पुरुष साक्षरता दर 82.10 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 65. 50 प्रतिशत है। अनुसूचित जनजाति में कुल साक्षरता दर 59.00 प्रतिशत, पुरुष साक्षरता दर 68.50 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 49.50 प्रतिशत है। अनुसूचित जाति में साक्षरता दर 66.10 प्रतिशत, पुरुष साक्षरता दर 75.20 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 56.50 प्रतिशत है। स्पष्ट है कि कुल जनसंख्या में साक्षरता दर की अपेक्षा अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति में साक्षरता दर कम है। साथ ही इन दोनों सामाजिक समूहों में पुरुष–महिला साक्षरता में अंतर कुल जनसंख्या की अपेक्षा अधिक है। अध्ययन क्षेत्र गोड्डा जिला में भी यही पैटर्न दिखाई पड़ता है। यहाँ कुल साक्षरता दर 42.47 प्रतिशत, पुरुष साक्षरता दर 66.47 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 42.47 प्रतिशत है। अनुसूचित जनजाति में कुल साक्षरता दर 43.38 प्रतिशत, पुरुष साक्षरता दर 55.06 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 31.95 प्रतिशत है। अनुसूचित जाति में साक्षरता दर 49.11 प्रतिशत है, पुरुष साक्षरता दर 60.28 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 36. 97 प्रतिशत है। निम्न साक्षरता का स्तर इन्हें कई रूपों में प्रभावित करता है। इनके रहन–सहन का स्तर, भोजन सम्बन्धी आदतें, साफ–सफाई तथा स्वच्छता, बच्चों के पालन–पोषण, अधिकारों की पहचान, सरकारी योजना का लाभ,सामाजिक कार्यों का निर्वहन जैसे कार्य। इन परिस्थितयों में गोड्डा जिला में अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाती में महिला साक्षरता का तुलनात्मक अध्ययन समीचीन प्रतीत होता है।

अध्ययन क्षेत्र

अध्ययन क्षेत्र गोड्डा जिला 17 मई 1983 ई0 को अविभाजित बिहार का 55वां जिला बना तथा 15 नवम्बर 2000 ई0 को झारखण्ड राज्य का 18वां जिला बना। आधारभूत संरचनाओं के अभाव में यह आज भी अविकसित है। गोड्डा जिला का अक्षांशीय विस्तार 24^0 30′उत्तर से 25^0 15 उत्तर अक्षांश तक तथा देशांतरीय विस्तार 87^0 00′पूर्व से 87^0 30′ पूर्व देशांतर तक है। इसका कुल क्षेत्रफल लगभग 2110 वर्ग कि0मी0 है। इसके उत्तर में साहेबगंज, दक्षिण में दुमका, पुरब में पाकुड़ तथा पश्चिम में इसकी सीमा बिहार राज्य के बाँका तथा भागलपुर जिलों से मिलती है। क्षेत्रफल की दृष्टि से यह झारखण्ड का 9वां तथा जनसंख्या की दृष्टि से 12वां जिला है। प्रशासनिक रूप से गोड्डा संथाल परगना प्रमण्डल का एक जिला है। यह 9 प्रखण्डों में विभाजित है, मेहरमा, महगामा, ठाकुर गंगटी बोआरी जोर, पथरगामा, पोरैयाहाटगोड्डा, बसंतराय तथा सुंदर पहाड़ी। नौ प्रखण्डों में दो प्रखण्ड बोआरीजोर और सुंदर पहाड़ी अन्य प्रखण्डों से समाजिक, आर्थिक, नृजातीय तथा सांस्कृतिक दृष्टि से भिन्न हैं जहाँ क्रमशः 63.03 प्रतिशत तथा 82.52 प्रतिशत जनसंख्या जनजातियों की है, पोरैया हाट प्रखण्ड की लगभग 36 प्रतिशत जनसंख्या जनजातियों की है। तीन प्रखण्डों का सम्मिलित क्षेत्रफल जिला के कुल क्षेत्रफल का लगभग आधे हिस्से पर फैला है। इन तीन प्रखण्डों में सामाजिक, आर्थिक क्रियाकलाप सीमित हैं। सीमित संसाधन, कम उपजाऊ मिट्टी, असमतल धरातल के कारण कृषि सहित अन्य जीविका के साधनों का सीमित विकास हुआ है। यहॉ अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति

की अधिकतर जनसंख्या कृषि मजदूर तथा सीमांत कृषक के रूप में कार्यरत है।

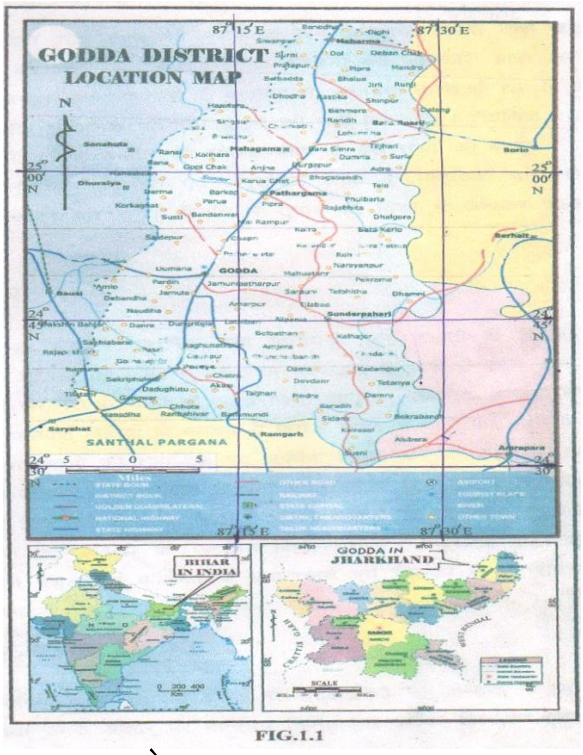

FIG.1.1

अध्ययन का उद्देश्य

1. गोड्डा जिला में अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति में महिला साक्षरता की स्थिति को स्पष्ट करना।
2. अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति में महिला साक्षरता में प्रखंड स्तर पर स्थानिक तथा कालिक परिवर्तन का निर्धारण करना।
3. अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाती में पुरुष–महिला साक्षरता में अंतर को स्पष्ट करना।
4. सामान्य जनसंख्या में महिला साक्षरता अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति में महिला साक्षरता में अंतर को स्पष्ट करना।
5. इन सामाजिक समूहों में महिला साक्षरता में आनेवाली बाधाओं की पहचान करना।
6. अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति में महिला साक्षरता को बढ़ाबा देने के लिए आवश्यक सलाह तथा सुझाव देना।

आंकड़ो का संग्रह तथा विधितंत्र

इस शोधपत्र को पूरा करने के लिये आकड़ों का संग्रह मुख्य रूप से भारत की जनगणना 2001 तथा 2011 से किया गया है। इसके साथ ही गोड्डा जिला में अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति की महिला शिक्षा से जुड़ी समस्याओं को समझने के लिए स्थानीय व्यक्तियों से साक्षात्कार लिया गया है। प्राप्त आकड़ों को सारिणी बद्ध किया गया है। इन सारिणीयों के आधार पर उपयुक्त मानचित्रों की रचना की गयी है। साथ ही इन सारिणियों का विश्लेषण कर गोड्डा जिला में अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाती की महिला साक्षरता की स्थिति को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है।

प्रखंड	कुल महिला जनसंख्या (2011)	साक्षरता दर (2011)	अनुसूचित जनजाति महिला जनसंख्या(2011)	साक्षरता दर (2011)	अनुसूचित जाति महिला जनसंख्या(2011)	साक्षरता दर (2011)
मेहरमा	69737	44.81	6654	30.40	10642	35.46
ठाकुरगंगटी	47781	44.55	6636	36.48	3914	37.70
बोआरीजोर	68224	33.53	38945	28.09	2194	27.39
महागमा	94989	42.10	7048	35.68	9363	37.39
पथरगामा	55882	47.49	9366	40.18	6540	40.22
बसंतराय	45131	42.09	1353	35.63	5175	36.34
गोड्डा	129637	46.29	15347	32.74	11271	38.64
पोरेयाहाट	91675	42.76	30156	34.72	5946	36.51
सुन्दरपहाड़ी	32568	32.86	25166	28.87	687	34.78
कुल	635624	42.47	140698	31.95	55732	36.97

स्रोतः डिस्ट्रिक्ट सेन्सस हैंडबुक गोड्डा, 2011

तालिका 1 में गोड्डा जिला में महिला जनसंख्या के विभिन्न सामाजिक समूहों में साक्षरता के वितरण को दिखाया गया है। तालिका से स्पष्ट है कि गोड्डा जिला में कुल महिला जनसंख्या में साक्षरता दर 42.47 प्रतिशत है. प्रखंड स्तर पर कुल महिला साक्षरता दर सबसे अधिक पथरगामा प्रखंड में 47.49 प्रतिशत है। गोड्डा प्रखंड में कुल महिला साक्षरता दर 46.29 प्रतिशत, मेहरमा प्रखंड में 44.81 प्रतिशत, ठाकुरगंगटी प्रखंड में 44.55 प्रतिशत, पोरेयहाट में 42.76 प्रतिशत, महागमा प्रखंड में 42.10 प्रतिशत, बसंतराय प्रखंड में 42.09 प्रतिशत, बोआरीजोर प्रखंड में 33.53 प्रतिशत तथा सुन्दरपहाड़ी प्रखंड में 32.86 प्रतिशत है। गोड्डा जिला में अनुसूचित जनजाति की महिला जनसंख्या में साक्षरता दर 31.95 प्रतिशत है। प्रखंड स्तर पर पथरगामा प्रखंड में 40.18 प्रतिशत,

ठाकुरगंगटी प्रखंड में 36.48 प्रतिशत, महागमा प्रखंड में 35.68 प्रतिशत, बसंतराय प्रखंड में 35.63 प्रतिशत, पोरेयाहाट प्रखंड में 34.72 प्रतिशत, गोड्डा प्रखंड में 32.74 प्रतिशत, मेहरमा प्रखंड में 30.40 प्रतिशत, सुन्दपहाडी प्रखंड में 28.87 प्रतिशत तथा बोआरीजोर प्रखंड में 28.09 प्रतिशत है। तालिका 1 से यह स्पष्ट है की गोड्डा जिला में अनुसूचित जाति की महिला जनसंख्या में साक्षरता दर 36.97 प्रतिशत है। प्रखंड स्तर पर पथरगामा प्रखंड में 40. 22 प्रतिशत। गोड्डा प्रखंड में 38.64 प्रतिशत, ठाकुरगंगटी प्रखंड में 37.70 प्रतिशत, महागमा प्रखंड में 37.39 प्रतिशत, पोरेयाहाट प्रखंड में 36.51 प्रतिशत, बसंतराय प्रखंड में 36. 34 प्रतिशत, मेहरमा प्रखंड में 35.46 प्रतिशत, सुन्दरपहाड़ी प्रखंड में 34.78 प्रतिशत तथा बोआरीजोर प्रखंड में 27.39 प्रतिशत है।

तालिका– 2

गोड्डा जिलाः कुल महिला जनसंख्या, अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति के महिला जनसंख्या में साक्षरता का परिवर्तन– 2001– 2011

प्रखंड	कुल महिला साक्षरता (2001)	कुल महिला साक्षरता (2011)	प्रतिशत अंतर	अनु. जनजाति महिला साक्षरता (2001)	अनु. जनजाति महिला साक्षरता (2011)	प्रतिशत अंतर	अनु. जाति महिला साक्षरता दर (2001)	अनु. जाति महिला साक्षरता (2011)	प्रतिशत अंतर
मेहरमा	28.50	44.81	16.31	13.60	30.40	16.80	13.57	35.46	21.89
ठाकुरगंगटी	27.40	44.55	17.15	16.09	36.48	20.39	16.21	37.70	21.49
बोआरीजोर	19.40	33.53	14.13	14.49	28.09	13.60	13.66	27.39	13.73
महागमा	27.60	42.10	14.50	16.18	35.68	19.50	17.92	37.39	19.47
पथरगामा	27.40	47.49	20.09	18.81	40.18	21.37	17.47	40.22	22.75
बसंतराय	-	42.19	-	-	35.63	-	-	36.34	-
गोड्डा	36.50	46.29	9.79	18.86	32.74	13.88	22.63	38.64	16.01
पोरेयाहाट	23.70	42.76	19.06	18.47	34.72	16.25	14.78	36.51	21.73
सुन्दरपहाड़ी	15.90	32.86	16.96	12.12	28.87	16.75	14.96	34.78	19.82
कुल	27.40	42.47	15.07	15.95	31.95	16.00	17.26	36.97	19.71

स्रोत– डिस्ट्रिक्ट सेन्सस हैंडबुक गोड्डा, 2011

तालिका में गोड्डा जिला में 2001 से 2011 के दशक में महिला साक्षरता दर में परिवर्तन को प्रदर्शित किया गया है। तालिका से स्पष्ट है की 2001 में कुल महिला साक्षरता दर 27.40 प्रतिशत था, 2011 में 15.07 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यह 42.47 प्रतिशत हो गया है। इस दशक में प्रखंड स्तर पर कुल महिला साक्षरता में सबसे अधिक वृद्धि पथरगामा प्रखंड में 20.09 प्रतिशत हुआ है। पोरेयाहाट में त्यह वृद्धि 19.06 प्रतिशत, ठाकुरगंगटी प्रखंड में 17.15 प्रतिशत, सुन्दर पहाड़ी प्रखंड में 16.96 प्रतिशत, मेहरमा प्रखंड में 16.13 प्रतिशत, महागमा प्रखंड में 14.50 प्रतिशत, बोआरीजोर प्रखंड में 14.13 प्रतिशत तथा गोड्डा प्रखंड में 9.79 प्रतिशत है। 2001 में गोड्डा जिला में अनुसूचित जनजाति की महिला साक्षरता दर 15. 95 प्रतिशत था, 2011 में 16.0 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 31.95 प्रतिशत हो गया है। इस दशक में प्रखंड स्तर पर अनुसूचित जनजाति के महिला साक्षरता में सबसे सबसे अधिक वृद्धि पथरगामा प्रखंड में 21.37 प्रतिशत हुई है। ठाकुरगंगटी प्रखंड में यह वृद्धि 20.34 प्रतिशत, महागमा प्रखंड में 19.15 प्रतिशत, मेहरमा प्रखंड में 16.80 प्रतिशत, सुन्दरपहाड़ी प्रखंड में 16.75 प्रतिशत, पोरेयाहाट प्रखंड में 16.25 प्रतिशत, गोड्डा प्रखंड में 13.88 प्रतिशत तथा बोआरीजोर प्रखंड में 13.66 प्रतिशत है।

तालिका –3

गोड्डा जिलाः कुल साक्षरता, अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति के पुरुष–महिला साक्षरता दर में अंतर – 2011

प्रखंड	कुलपुरुष साक्षरता 2011	कुल महिला साक्षरता 2011	प्रतिशत अंतर	अनु. जनजाति पुरुष साक्षरता 2011	अनु. जनजाति महिला साक्षरता 2011	प्रतिशत अंतर	अनु. जाति पुरुष साक्षरता 2011	अनु. जाति महिला साक्षरता 2011	प्रतिशत अंतर
मेहरमा	66.03	44.81	21.22	53.03	30.40	22.63	56.06	35.46	20.60
ठाकुरगंगटी	67.71	44.55	23.16	53.79	36.48	23.31	57.71	37.70	20.01
बोआरीजोर	57.48	33.53	23.95	48.95	28.09	20.86	51.56	27.39	24.71
महागमा	65.38	42.10	23.28	61.39	35.68	25.71	59.49	37.39	22.10
पथरगामा	74.17	47.49	26.68	69.69	40.18	29.51	66.05	40.22	25.83
बसंतराय	65.60	42.19	23.48	56.76	35.63	21.13	59.06	36.34	22.72

गोड्डा	71.60	46.29	25.31	57.24	32.74	24.50	63.55	38.64	24.91
पोरेयाहाट	69.30	42.76	26.54	60.92	34.72	26.20	62.25	36.51	25.74
सुन्दरपहाड़ी	54.26	32.86	21.40	47.92	28.87	19.05	66.43	34.78	31.65
कुल	66.74	42.47	24.27	55.06	31.95	23.11	60.28	36.97	23.31

तालिका 3 में गोड्डा जिला में साक्षरता में लैंगिक अंतर का पता चलता है। गोड्डा जिला में 2011 में कुल पुरुष साक्षरता दर 66.74 प्रतिशत तथा कुल महिला साक्षरता 42.47 प्रतिशत है, पुरुष महिला साक्षरता में अंतर 24.27 प्रतिशत है। प्रखंड स्तर पर यह अंतर सबसे अधिक पथरगामा में 26.68 प्रतिशत है। पोरेयाहट प्रखंड में यह अंतर 26.54 प्रतिशत, गोड्डा प्रखंड में 25.31 प्रतिशत, बोआरीजोर प्रखंड में 23.95 प्रतिशत, बसंतराय प्रखंड में 23.28 प्रतिशत, महागमा प्रखंड में 23.28 प्रतिशत, ठाकुरगंगटी प्रखंड में 23.16 प्रतिशत, सुन्दर पहाड़ी प्रखंड में 21.40 प्रतिशत और मेहरमा प्रखंड में 21.22 प्रतिशत है। गोड्डा जिला में अनुसूचित जनजाति में पुरुष साक्षरता दर 55.06 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता 31.95 प्रतिशत है, साक्षरता में लैंगिक अंतर 23.11 प्रतिशत है। प्रखंड स्तर पर यह अंतर सबसे अधिक पथरगामा प्रखंड में 29.51 प्रतिशत है। पोरेयाहाट में यह अंतर 26.20 प्रतिशत, महागमा प्रखंड में 25.71 प्रतिशत,गोड्डा प्रखंड में 24.50 प्रतिशत ठाकुरगंगटी प्रक्ल्हंद में 23.31 प्रतिशत, मेहरमा प्रखंड में 22.63 प्रतिशत, बसंतराय प्रखंड में 21.13 प्रतिशत, बोआरीजोर प्रखंड में 20.86 प्रतिशत और सुन्दर पहाड़ी प्रखंड में 19.05 प्रतिशत है। गोड्डा जिला में अनुसूचित जाति में पुरुष साक्षरता दर 60.28 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 36.97 प्रतिशत है, साक्षरता में लैंगिक अंतर 23.31 प्रतिशत है। प्रखंड स्तर पर यह अंतर सुन्दर पहाड़ी प्रखंड में 31.65 प्रतिशत, पथरगामा प्रखंड में 25.83 प्रतिशत, पोरियाहाट प्रखंड में 25.74 प्रतिशत, गोड्डा प्रखंड में 24.91 प्रतिशत, बोआरीजोर प्रखंड में 24.71 प्रतिशत, बसंतराय प्रखंड में 22.72 प्रतिशत, महागमा प्रखंड में 22. 10 प्रतिशत, मेहरमा प्रखंड में 20.60 प्रतिशत तथा ठाकुरगंगटी प्रखंड में 20.01 प्रतिशत है।

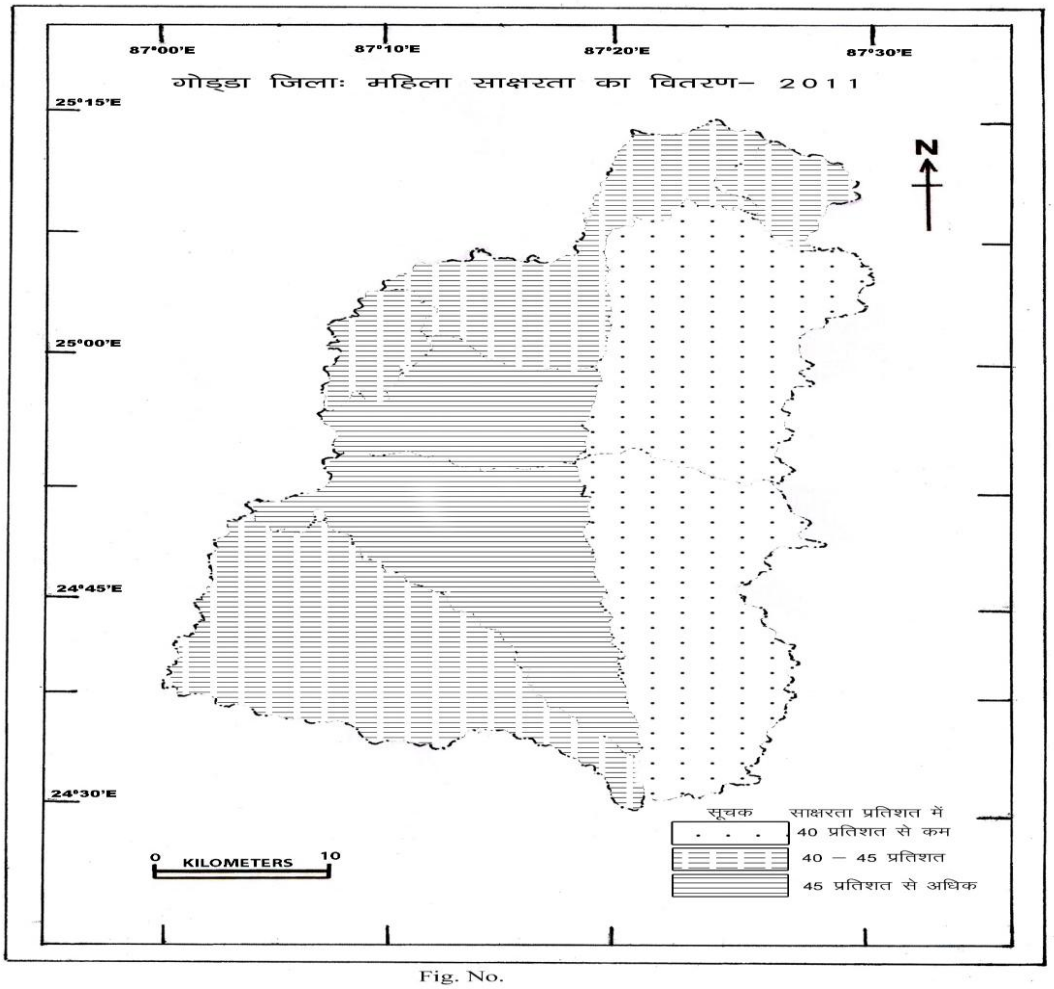

Fig. No.

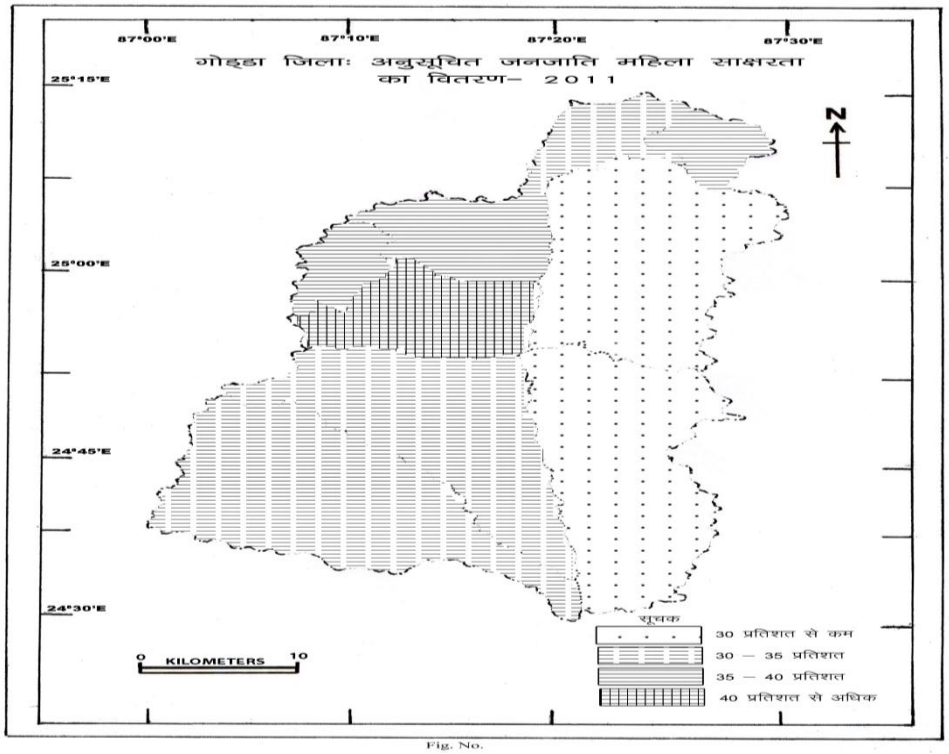
87°00'E
87°10'E
87°20'E
87°30'E
गोड्डा जिला: अनुसूचित जनजाति महिला साक्षरता का वितरण– 2011
25°15'E
25°00'E
24°45'E
24°30'E
N
सूचक
30 प्रतिशत से कम
30 — 35 प्रतिशत
35 — 40 प्रतिशत
40 प्रतिशत से अधिक
0 KILOMETERS 10

Fig. No.

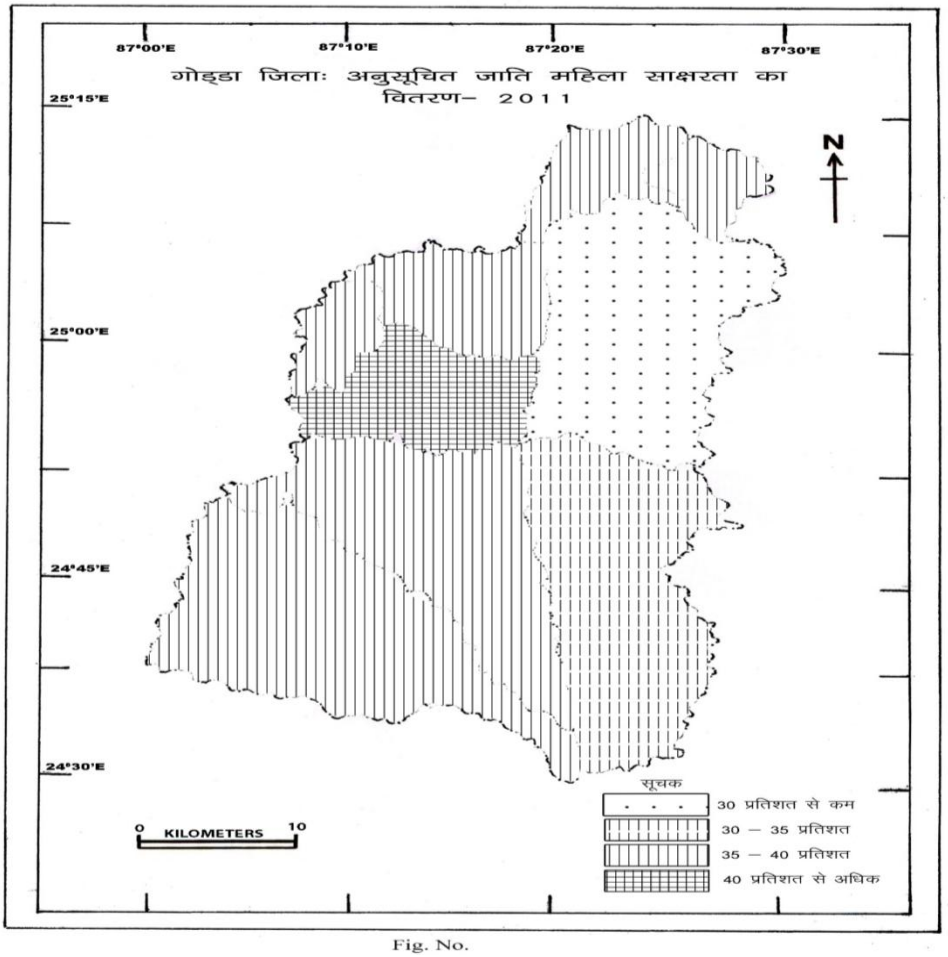
87°00'E
87°10'E
87°20'E
87°30'E
गोड्डा जिला: अनुसूचित जाति महिला साक्षरता का वितरण– 2011
25°15'E
25°00'E
24°45'E
24°30'E
N
सूचक
30 प्रतिशत से कम
30 — 35 प्रतिशत
35 — 40 प्रतिशत
40 प्रतिशत से अधिक
0 KILOMETERS 10

Fig. No.

तालिका– 4

गोड्डा जिला कुल महिला जनसंख्या, अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति के महिला जनसंख्या में साक्षरतादर में अंतर – 2011

प्रखंड	कुल महिला जनसंख्या (2011)	कुल महिला साक्षरता दर (2011)	अनु जनजाति महिला जनसंख्या (2011)	अनु जनजाति महिला साक्षरता दर (2011)	अनु जाति महिला जनसंख्या (2011)	अनु जाति महिला साक्षरता दर (2011)	प्रतिशत अंतर		
							(5-3)	(7-3)	(7-5)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
मेहरमा	69737	44.81	6654	30.40	10642	35.46	-14.41	-9.35	+5.06
ठाकुरगंगटी	47781	44.55	6636	36.48	3914	37.70	-8.07	-6.85	+1.22
बोआरीजोर	68224	33.53	38945	28.09	2194	27.39	-5.44	-6.14	-0.70
महागमा	94989	42.10	7048	35.68	9363	37.39	-6.42	-4.71	+1.71
पथरगामा	55882	47.49	9366	40.18	6540	40.22	-7.31	-7.27	+0.04
बसंतराय	45131	42.09	1353	35.63	5175	36.34	-6.56	-5.85	+0.71
गोड्डा	129637	46.29	15347	32.74	11271	38.64	-13.55	-7.65	+5.90
पोरेयाहाट	91675	42.76	30156	34.72	5946	36.51	-8.04	-6.25	+1.79
सुन्दरपहाड़ी	32568	32.86	25166	28.87	687	34.78	-3.99	+1.92	+5.91
कुल	635624	42.47	140698	31.95	55732	36.97	-10.52	-5.50	+5.02

तालिका 4 से गोड्डा जिला में कुल महिला साक्षरता, अनुसूचित जनजाति महिला साक्षरता तथा अनुसूचित जाति महिला साक्षरता में अंतर को दर्शाया गया है। तालिका से स्पष्ट है की गोड्डा जिला में कुल महिला साक्षरता 42.47 प्रतिशत तथा अनुसूचित जनजाति महिला साक्षरता 31.95 प्रतिशत है, साक्षरता का प्रतिशत अंतर 10.52 प्रतिशत है। सभी नौ प्रखंड में अनुसूचित जनजाति में महिला साक्षरता, कुल महिला जनसख्या में साक्षरता से कम है। प्रखंड स्तर पर यह अंतर सबसे अधिक मेहरमा प्रखंड में 14.41 प्रतिशत है। गोड्डा प्रखंड में यह अंतर 13.55 प्रतिशत, ठाकुरगंगटी प्रखंड में 8.07 प्रतिशत, पोरेयाहाट प्रखंड में 8.04 प्रतिशत, पथरगामा प्रखंड में 7.31 प्रतिशत, बसंतराय प्रखंड में 6.56 प्रतिशत, महागामा प्रखंड में 6.42 प्रतिशत, बोआरीजोर प्रखंड में 5. 44 प्रतिशत, तथा सुन्दर पहाड़ी प्रखंड में 3.99 प्रतिशत है। तालिका 4 से यह स्पष्ट होता है की गोड्डा जिला में अनुसूचित जाति की महिला में साक्षरता 36.97 प्रतिशत है यह कुल महिला साक्षरता दर से 5.50 प्रतिशत कम है। प्रखंड स्तर पर आठ प्रखंड में अनुसूचित जाति की महिला में साक्षरता दर कुल महिला साक्षरता दर से कम है। ये आठ प्रखंड हैं, मेहरमा, गोड्डा, पथरगामा, ठाकुरगंगटी, पोरेयाहाट, बोआरीजोर, बसंतराय तथा महागमा। मेहरमा प्रखंड में यह अंतर 9.35 प्रतिशत, गोड्डा प्रखंड में 7.65 प्रतिशत, पथरगामा प्रखंड में 7.27 प्रतिशत, ठाकुरगंगटी प्रखंड में 6.85 प्रतिशत, पोरेयाहाट प्रखंड में 6.25 प्रतिशत, बोआरीजोर प्रखंड में 6.14 प्रतिशत, बसंतराय प्रखंड में 5. 85 प्रतिशत तथा महागमा प्रखंड में 4.71 प्रतिशत है। केबल सुन्दर पहाड़ी प्रखंड में अनुसूचित जाति की महिला में साक्षरता दर कुल महिला साक्षरता से 1.92 प्रतिशत अधिक है। तालिका 4 से गोड्डा जिला में अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति के महिला साक्षरता में अंतर का पता चलता है। गोड्डा जिला में अनुसूचित जाति की महिला में साक्षरता दर 36.97 प्रतिशत है, यह अनुसूचित जनजाति के महिला साक्षरता दर 31.95 प्रतिशत से 5.02 प्रतिशत अधिक है। प्रखंड स्तर पर आठ प्रखंड में अनुसूचित जाति की महिला में साक्षरता दर अनुसूचित जनजाति के महिला साक्षरता दर से अधिक है। ये प्रखंड हैं, सुन्दर पहाड़ी, गोड्डा, मेहरमा, पोरेयाहाट, महागमा, ठाकुरगंगटी, बसंतराय तथा पथरगामा। सुन्दरपहाड़ी प्रखंड में यह अंतर 5.91 प्रतिशत, गोड्डा प्रखंड में 5.90 प्रतिशत, मेहरमा प्रखंड में 5.06 प्रतिशत, पोरेयाहाट प्रखंड में 1.79 प्रतिशत, महागमा प्रखंड में 1.71 प्रतिशत, ठाकुरगंगटी प्रखंड में 1.22 प्रतिशत, बसंतराय प्रखंड में 0.71 प्रतिशत तथा पथरगामा प्रखंड में 0.04 प्रतिशत। केबल एक प्रखंड बोआरीजोर में अनुसूचित जाति की महिला में साक्षरता दर अनुसूचित जनजाति के महिला साक्षरता दर से 0.70 प्रतिशत कम है।

जनजातीय महिला साक्षरता तथा शिक्षा के विकास हेतु आवश्यक सुझाव

1. जनजातीय महिला शिक्षा के विकास हेतु इनके गांवों तथा जनजातीय मुहल्लों में विद्यालय की स्थापना आवश्यक है।
2. स्थानीय स्तर पर छात्राओ के लिए पढाई के साथ छात्रावास तथा भोजन तथा चिकित्सा की निःशुल्क व्यवस्था की जानी चाहिए।
3. प्राथमिक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा हो साथ ही अनुसूचित जनजातीयों के लिए प्राथमिक शिक्षा स्थानीय जनजातीय भाषा में हो।
4. जनजातीय वहुल क्षेत्रों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जाना चाहिए, जिससे उन्हें इनकी संस्कृति, मूल्यों, विश्वास तथा स्थानीयता की बेहतर समझ विकसित हो सके।
5. प्राथमिक स्तर से उच्च स्तर तक छात्रवृति तथा प्रोत्साहन की व्यवस्था की जानी चाहिए।

6. शिक्षा के साथ स्थानीय संसाधन के अनुकूलतम उपयोग, परंपरागत हस्तशिल्प तथा आधुनिक कंप्यूटर ज्ञान आधारित शिक्षा को बढ़ाबा।
7. महिला शिक्षा के प्रति समाज में फैली भ्रांतियों एवं वर्जनाओं को दूर करने के लिए लोगों को महिला शिक्षा के प्रति जागरूक करना।

निष्कर्ष

गोड्डा जिला में जनजातीय महिला जनसंख्या में साक्षरता के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि यहाँ 2011 में अनुसूचित जनजाति की महिला जनसंख्या में साक्षरता दर 31.95 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति की महिला जनसंख्या में साक्षरता दर 36.97 प्रतिशत है। जबकि इन दोनों सामाजिक समूहों में महिला साक्षरता का राष्ट्रीय औसत क्रमशः 49.50 प्रतिशत तथा 56.50 प्रतिशत है। स्पष्ट है कि गोड्डा जिला में जनजातीय महिला जनसंख्या में महिला साक्षरता का स्तर संतोषप्रद नहीं है। इसे बढ़ावा देने के लिए सर्वप्रथम जनजातीय महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाये जाने की जरुरत है। आवश्यक संख्या में शिक्षण संस्थान खोलकर, जनजातीय छात्राओं के लिए छात्रावास तथा मातृभाषा में शिक्षा देकर साक्षरता दर को बढाया जा सकता है। साथ ही इनका पाठ्यक्रम इस तरह तैयार किया जाये जो जनजातीय आकांक्षाओं तथा मूल्यों को सहेजे हो। जनजातीय वहुल क्षेत्र में कार्यरत शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता है जिससे जनजातीय बच्चों को वास्तविक तथा उपयोगी शिक्षा मिल सकेद्य जनजातीय समाज में महिला शिक्षा के प्रति फैली भ्रांतियों को भी दूर किया जाना आवश्यक है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *एल्विन (1963)– द न्यू डील फॉर ट्राइबल इंडिया, अब्रिजमेंट ऑफ द टेंथ रिपोर्ट ऑफ द कमीशन फॉर सिडुल कास्ट एंड सिडुल ट्राइब, 1960– 61, गृह मंत्रालय भारत सरकार।*
2. *शर्मा (1976)रू झारखण्ड की जनजातियाँ, क्राउन पब्लिकेशन, रांची।*
3. *एस. एन. रथ (1981): हिस्ट्री एंड डेवलपमेंट ऑफ एजुकेशन इन मॉडर्न इंडियाः द बिगनिंग ऑफ इंग्लिश एजुकेशन इन इंडिया, एस. चंद एंड कंपनी, नई दिल्ली।*
4. *तिवारी राम कुमार (सम्पादित) (1999): द ट्रइबलसीनइनझारख.डनोवेल्टी एण्ड क. पटना।*
5. *तिवारी राम कुमार (2001) : झारखंड का भूगोल, राजेशपब्लिकेशन्स, दिल्ली।*
6. *द्विवेदी, एम– (2000) : छोटा नागपुर की मुण्डाजनजाति की आर्थिक स्थिति, राँची।*
7. *टोपो, एस– (1974) : एजुकेशनल देन एण्ड एमंग द उरॉव, पी.एच. डी. एजुकेशन, राँची विश्वविद्यालय।*
8. *भूषण, आनन्द – सम्पादित (1999): ट्राईबल्स सीन इन झारखण्ड, पटना। महापात्रा, एल.के. (1994) : ट्राईबल डेवलपमेन्ट इन इंडिया, नई दिल्ली।*